सेवा क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार, कारोबारी माहौल 11 महीने में सबसे बेहतर

सुधार के संकेत...लगातार चौथे महीने तेजी से टिकाऊ वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। घरेलू मांग में सुधार और कारोबारी गतिविधियों में तेजी से सेवा क्षेत्र ने फिर रफ्तार पकड़ ली। जनवरी में सेवा क्षेत्र का पीएमआई 52.8 रहा, जो दिसंबर में 52.3 था। यह लगातार चौथा महीना है जब सेवा पीएमआई 50 से ऊपर रहा।

आईएचएस मार्किट ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले सेवा क्षेत्र ने महामारी से उबर दोबारा तेजी पकड़ ली है। कारोबारी माहौल और आशावाद 11 महीने में सबसे बेहतर रहा, जिससे टिकाऊ वृद्धि की उम्मीद है। नए ऑर्डर मिलने से कंपनियों को उत्पादन बढ़ाना पड़ा है, जिसके लिए नई भर्तियां भी हुई हैं। जनवरी में सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक बढ़कर 52.8 पहुंच गया, जो दिसंबर में 52.3 था। इसके 50 से ऊपर रहने का मतलब क्षेत्र का विस्तार होना है। आईएचएस मार्किट की अर्थशास्त्री पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि सेवा क्षेत्र ने जनवरी में अच्छी गति पकड़ ली है, लेकिन यह अब भी लंबे समय के औसत प्रदर्शन से पीछे है। एजेंसी

52.8 रहा जनवरी में सेवा पीएमआई, दिसंबर में 52.3 था

■ वैश्विक मांग से बढ़ेंगी भर्तियां

लीमा ने कहा, कारोबारी माहौल बेहतर हो रहा और व्यापार आशावाद 11 महीने के शीर्ष पर है। नई कंपनियां खोलने में भी तेजी आ रही है, लेकिन वैश्विक मांग बढ़ने पर ही सेवा क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। कोविड-19 का टीका आने के बाद क्षेत्र में तेजी की उम्मीद बंधी है और सतत विकास का भरोसा जगा है। 2021 की शुरुआत से ही निजी क्षेत्र ने विस्तार शुरू कर दिया और विनिर्माण व सेवा प्रदाताओं को नए ऑर्डर मिलने लगे। जनवरी में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का संयुक्त पीएमआई बढ़कर 55.8 पहुंच गया, जो दिसंबर में 54.9 था।

बढ़ती लागत से रोजगार में सुस्ती

कंपनियों की लागत में लगातार सातवें महीने वृद्धि हुई, जिसका असर भर्तियों पर हो रहा है। ईंधन व अन्य कच्चे तेल के दाम बढ़ने से कंपनियां नौकरियां देने से हाथ खींचने लगीं। इससे रोजगार में दूसरे महीने भी सुस्ती रही। हालांकि, नौकरियां जाने का सिलसिला अब खत्म है और 97 फीसदी कंपनियों ने स्टाफ की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया। लीमा ने कहा कि वैक्सीन का प्रसार बढ़ने के साथ अगले 12 महीने में उत्पादन और रोजगार दोनों में तेजी आएगी। कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था का भविष्य चमकदार दिख रहा और लंबी अवधि में सतत विकास का अनुमान है।

कोरोनाकाल में अनाज निर्यात 53% बढ़ा

महामारी से प्रभावित चालू वित्तवर्ष में अनाजों का निर्यात 53% बढ़ा है। अप्रैल-दिसंबर में भारत ने कुल 49,832 करोड़ का अनाज निर्यात किया। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि बासमती चावल का निर्यात 5.31% बढ़कर 22,038 करोड़, गैर बासमती अनाजों का निर्यात 122.61% तेजी के साथ 22,856 करोड़ पहुंच गया। 1,870 करोड़ का गेहूं और 3,067 करोड़ के जौ व मक्के का निर्यात किया, जो पिछले साल से 177% ज्यादा है। भारत के कुल निर्यात में अनाजों की हिस्सेदारी 48.61% है।

कोविड पूर्व स्तर तक पहुंचा निर्यात

मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के अलावा कृषि व खाद्य क्षेत्र में आई तेजी से भारत का निर्यात कोविड-पूर्व स्तर तक पहुंच गया है। दिसंबर के बाद जनवरी में भी निर्यात 5 फीसदी से ज्यादा बढ़ा और हमने कोविड पूर्व स्तर को सबसे जल्दी हासिल कर लिया।

-अनूप वधावन, वाणिज्य सचिव